

अध्यक्ष-रेलवे संसदीय स्थायी समिति का निरीक्षण

रेलवे संसदीय स्थायी समिति के अध्यक्ष व सांसद माननीय श्री बासुदेव अचारिया जी ने दिनांक 06-11-2006 को तामडिंग-सिलघर अभ्यास परिवर्तन की राष्ट्रीय परियोजना का तामडिंग हाफलंग के बीच निरीक्षण किया और कहा कि कार्य



कुमारघाट-अगरतला में सुरंगों का निरीक्षण करते हुए श्री अचारिया जी के साथ महाप्रबन्धक/निर्माण

जो उग्रवादियों द्वारा रेलवे पार्टी पर हमला कर गत 6 अक्टूबर को 11 व्यक्तियों की हत्या के बाद रुक गये हैं, को आगे बढ़ाने के लिए पेश मेलेट्री सुरक्षा सेना को तैनात करना होगा। श्री अचारिया ने दिनांक 08-11-2006 को एक अन्य राष्ट्रीय परियोजना कुमारघाट-अगरतला नई लाइन के निर्माण कार्य का भी निरीक्षण किया और कार्य की प्रगति की समीक्षा की। उनके साथ स्थानीय सांसद श्री खगेन दास जी व त्रिपुरा राज्य परिवहन मंत्री श्री माणिक डे भी उपस्थित थे और उन्होंने कुल निर्माणाधीन 89 किलोमीटर लाइन में से करीब 56 किलोमीटर के कार्य बारापुरा और अटारहपुरा सुरंग सहित को देखा और अपेक्षा की कि नई लाइन का कार्य संशोधित लक्ष्य दिसम्बर, 2007 से पहले ही पूरा हो जाएगा।



पत्रकारों को सम्बोधित करते हुए श्री अचारिया।

बाद में राज्य सरकार व रेलवे अधिकारियों की बैठक में और श्री अचारिया जी के निरीक्षण के दौरान निर्माण संगठन के महाप्रबन्धक श्री ए. के. जैन व सम्बन्धित मुख्य इंजीनियर श्री अरविन्द कुमार व श्री बी. चौधरी उनके साथ थे।

महाप्रबन्धक का संदेश



श्री ए. के. जैन
महाप्रबन्धक/निर्माण

मुझे खुशी है कि निर्माण संगठन द्वारा त्रैमासिक पत्रिका को शुरू किया जा रहा है। इस पत्रिका के माध्यम से इस संस्था से जुड़े सभी कर्मचारियों व अन्य लोगों को पूर्वोत्तर सीमा रेल पर चल रही परियोजनाओं और निर्माण संगठन की गतिविधियों की झलक मिल सकेगी। मुझे विश्वास है कि यह संगठन को एकसूत्र में बाँधने और सभी कर्मचारियों व अधिकारियों को एकजुट होकर लक्ष्य की ओर अग्रसर होने में भी सहायक होगी।

निर्माण कार्य में पहल, समन्वय और साफ समझ जैसे गुण के साथ-साथ तकनीकी जानकारी का मुख्य महत्व है। पूर्वोत्तर सीमा रेल की विशेष परिस्थितियों मौसम, उग्रवाद, कठिन व सीमित टेकेदार, अभिक व सामान की उपलब्धता निर्माण कार्य को और चुनौतीपूर्ण बनाती है। मैं यह समझता हूँ कि यह संगठन किसी भी इंजीनियर के लिए निर्माण कार्य में परिपक्वता हासिल कर उत्कृष्टता की ओर अग्रसर होने का अच्छा अवसर प्रदान करता है। इस प्रयत्न में मेरी सभी को शुभकामनायें।

लामडिंग-सिलचर आमान परिवर्तन-राष्ट्रीय परियोजना पर उग्रवादियों का आतंक

दिनांक 06-10-2006 को रेलवे पार्टी जो सड़क मार्ग से कार्य पर जा रही थी, पर लामडिंग से 14 किलोमीटर दूर हाथीखाली के पास उग्रवादियों द्वारा जायरिंग कर 11 (ग्यारह) व्यक्ति, जिसमें रेलवे के सुपरवाइजर श्री नीतीश कुमार, 3 (तीन) कान्ट्रेक्ट इन्डियन व 7 (सात) आर पी एस एफ जवान की हत्या कर दी गई। इस हादसे के बाद परियोजना से जुड़े सभी ठेकेदार, श्रमिक व रेलवे कर्मचारियों के आतंकित होने से सभी कार्य बन्द हो गये।



लामडिंग-सिलचर गेज परिवर्तन परियोजना के कार्य में तैनात सुरक्षा कर्मी

रेलवे के वरिष्ठ अधिकारियों ने गौरी पर जाकर राज्य सरकार व पुलिस अधिकारियों के साथ स्थिति का जायजा लिया। दिनांक 07-10-06 को असम के राजस्व मंत्री श्री भूमिधर वर्मन लामडिंग पहुंचे और सुरक्षा बढ़ाने के लिए निर्देश दिये तथा मुत्तकों को 3 लाख व घायलों को 10 हजार रुपये मुआवजा देने की घोषणा की। इस घटना के बाद 11-10-06 को राज्य सरकार द्वारा स्टेट स्ट्रेटेजिक टास्क फोर्स की बैठक में महाप्रबन्धक, सभी पुलिस, सेना व पैरा मिलिट्री फोर्स से वार्तालाप हुई और सुरक्षा बढ़ाने तथा सेना की तैनाती का फैसला लिया गया। इस सम्बन्ध में महामहिम राज्यपाल महोदय ने दिनांक 15-09-06 को महाप्रबन्धक (निर्माण) के साथ स्थिति की समीक्षा की और दिनांक 24-10-06 को महामहिम राज्यपाल महोदय ने लामडिंग जाकर स्थिति का जायजा लिया व रेलवे अधिकारियों से जानकारी प्राप्त की। आगे महामहिम राज्यपाल महोदय ने पहल कर परियोजना में कार्य कर रहे ठेकेदारों के साथ बैठक की और उनको आश्वासन दिया कि सुरक्षा के लिये पुख्ता प्रबन्ध किया जाएगा। उपरोक्त कार्यवाही होने पर भी ठेकेदारों, व रेल कर्मचारियों में विश्वास का संघार नहीं हो पाया है और कार्य वर्तमान कुछ शुरू हुए हैं, पर उनको गति प्रदान करने में समय लग सकता है जिसके चलते परियोजना को पूरा करने के लक्ष्य में भी देरी की सम्भावना है।

निर्माण संगठन के नये कीर्तिमान

- वर्ष 2006-07 में परियोजनाओं के कार्य के लिए 1007.92 करोड़ रुपये आवंटित किये गये हैं जोकि एक रिकार्ड है और पिछले वर्ष की तुलना में 35 प्रतिशत अधिक है।
- वर्ष 2006 में माजगांव असम के क्रासिंग स्टेशन यात्री सुविधा का कार्य सिर्फ 5 महीने में पूरा किया गया जो एक रिकार्ड है।
- बारसोई-कटिहार (39 कि.मी.) का आनान परिवर्तन का कार्य 1 महीने के मेगा ब्लॉक में करने के लिए प्लान किया गया है। इसके लिए ब्लॉक 1 फरवरी, 07 से लेने का कार्यक्रम है।



बारसोई-कटिहार गेज परिवर्तन परियोजना के अंतर्गत कंकड़ नदी के उपर निर्माणाधीन पुल सं.173

- नवम्बर, 2006 तक कार्य की प्रगति पर 520.67 करोड़ रुपये खर्च किया जा चुका है जो एक रिकार्ड है और पिछले वर्ष की तुलना में 38 प्रतिशत अधिक है।

सेनचुवा-सिलघाट (61कि.मी.)रेल लाइन का पुनःस्थापन



सेनचुवा-सिलघाट का निर्माण कार्य प्रगति पर।

इस लाइन के कार्य को रक्षा मंत्रालय की आवश्यकतानुसार उनके द्वारा उपलब्ध कराये गये निधि से प्राथमिकता पर पूरा किया जा रहा है। पूर्व निर्धारित दिसम्बर, 2006 के लक्ष्य को पूर्ण के स्टील गार्डर के कार्य में देरी के कारण बढ़ाकर फरवरी, 2007 किया गया है।

रंगिया-मुर्कांगसेलेक आमान परिवर्तन

यह परियोजना वर्ष 2003-04 के रेल बजट में स्वीकृत की गयी थी और फण्ड के अभाव से सिर्फ प्रारम्भिक सर्वेक्षण व लाइन का कार्य ही किया जा सका है। अब रंगिया-रंगापाड़ा (123 कि.मी.) सेक्शन फेज-1 के तहत शुरू किया जा रहा है और रेलवे बोर्ड से इसके भाग-1 प्राक्कलन (10.0 करोड़ रुपये) को स्वीकृति प्राप्त हो गयी है। कार्य निष्पादन के लिए रंगिया में एक नयी फील्ड निर्माण यूनिट खोली गयी जो मुख्य इंजीनियर/निर्माण-V के अन्तर्गत कार्य कर रही है।

रेल संरक्षा आयुक्त का निरीक्षण

बदरपुर-सिलचर खण्ड पर कटाखाल रेलवे सड़क पुल की खराब स्थिति को देखते हुए नये रेल पुल जो कि आमान परिवर्तन परियोजना के अन्तर्गत बनाया गया का कार्य पूरा होने पर नये पुल और 6 किलोमीटर के ड्राइपरसन के कार्य का सी आर एस द्वारा दिनांक 24-11-06 को निरीक्षण किया। इससे पुराने पुल पर अब सिर्फ सड़क यातायात रहने से जनता को सुविधा होगी।

सितम्बर, 2006 में हरिश्चन्द्रपुर-एकलाखी दोहरीकरण परियोजना का अन्तिम खण्ड कुमारगंज-एकलाखी (6 किलोमीटर) का कार्य पूरा किया गया और दिनांक 07-09-06 को सी आर एस निरीक्षण के बाद दोहरीकरण दिनांक 11-09-06 से कमीशन की गयी। इसके पश्चात अब मालवा रो न्यू जलपाईगुड़ी रेल मार्ग पर एक महानन्दा पुल जिसका कार्य स्वीकृत नहीं है के अतिरिक्त पूरा डबल ट्रैक होने से यातायात क्षमता में काफी बढ़ोतरी हुई है।

राजभाषा सप्ताह समारोह

महाप्रबन्धक/निर्माण, पू. सी. रेल, मालीगांव परिसर में दिनांक 25-09-2006 से 28-09-2006 तक राजभाषा सप्ताह सम्बन्धित कार्यक्रम का आयोजन किया गया।



महाप्रबन्धक/नि. राजभाषा सप्ताह समारोह के दौरान आयोजित प्रतियोगिताओं के पुरस्कार वितरित करते हुए।

इस सप्ताह समारोह के दौरान कर्मचारियों के बीच विभिन्न प्रतियोगिताएँ एवं कर्मचारियों के बच्चों के बीच कविता पाठ व चित्रांकन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। दिनांक 14-09-2006 को 'हिन्दी दिवस' के उपलक्ष्य में अधिकारियों के बीच एक क्वीज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें महाप्रबन्धक/निर्माण महोदय सहित सभी विभागाध्यक्ष एवं अधिकारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

क्षेत्रीय राजभाषा कार्यान्वयन समिति की

तीसरी बैठक का आयोजन

ए. के. जैन महाप्रबन्धक निर्माण की अध्यक्षता में निर्माण संगठन के सभाकक्ष में दिनांक 31-10-2006 को क्षेत्रीय राजभाषा कार्यान्वयन समिति की तीसरी बैठक आयोजित की गई। बैठक में कार्यालय के सभी विभागाध्यक्ष



दिनांक 31-10-2006 को आयोजित क्षेत्रीय राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक में माननीय महाप्रबन्धक/निर्माण के साथ अन्य अधिकारीगण।

और वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे जिसमें हिन्दी के प्रचार-प्रसार सम्बन्धी नीतिगत विषयों पर चर्चा की गई। बैठक के पश्चात राजभाषा सप्ताह समारोह के दौरान आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को महाप्रबन्धक/निर्माण महोदय द्वारा पुरस्कार वितरित किये गये।

नये वित्त सलाहकार एवं मुख्य लेखा अधिकारी (निर्माण) की नियुक्ति



श्री ए.के. जैसंकर
वित्त सलाहकार
एवं मुख्य लेखा अधिकारी

लेखा अधिकारी (निर्माण) श्री एस.रघुरमण जिनका स्थानांतरण दक्षिण पश्चिम रेल हुबली हुआ है को भावभीनी विदाई दी गयी।

संगठन में कार्य की अधिकता को देखते हुए श्री के.वी. वाईपैई को वित्त सलाहकार एवं मुख्य लेखा अधिकारी/नि-11 के रूप में नियुक्त किया गया। दिनांक

18-12-2006 को इन्होंने निर्माण संगठन में कार्यभार ग्रहण किया। इससे पहले वे ओपेन लाइन में वित्त सलाहकार एवं मुख्य लेखा अधिकारी/बजट, बुक एवं स्थापना के पद पर कार्यरत थे।



श्री के.वी. वाईपैई
वित्त सलाहकार
एवं मुख्य लेखा अधिकारी/नि-11

नई परियोजनाएँ

वर्ष 2006-07 के बजट में पूर्वोत्तर सीमा रेल पर निम्न चार (4) परियोजनाओं को शामिल किया गया है और इन पर जल्द ही कार्य शुरू किया जाएगा। इससे क्षेत्र में रेल यातायात में वृद्धि होगी और जनता को अधिक सुविधा प्राप्त होगी।

नई लाइनें :

अनुमानित लागत

1. आजरा-बरनीहाट	30 कि.मी.	200 करोड़ रुपये
2. दीमापुर-कोहिमा	88 कि.मी.	850 करोड़ रुपये
3. अरुणिया-ताकुसंगज	100 कि.मी.	300 करोड़ रुपये
4. आमान परिवर्तन : अल्लुवाघारी-मिलीगुड़ी	76 कि.मी.	170 करोड़ रुपये

वर्ष 2006-07 की लक्ष्य निर्धारित परियोजनाओं की स्थिति

	प्रगति	लक्ष्य
कुमारगंज-एकलाखी (टोहरीकरण)		11-09-2006 को चालू कर दिया गया।
बारसोई-कांटेहार (आमान परिवर्तन)	80 %	फरवरी, 07
सेनचुवा-सिलपाट (आमान परिवर्तन)	80 %	फरवरी, 07
अलीपुरद्वार-बामनहाट (आमान परिवर्तन)	70 %	मार्च, 07
मानु-अगरतला	70 %	फेस-I मानु अम्बासा जून, 07 फेस-II अम्बासा-अगरतला दिसम्बर, 07

चर्कशॉप

	प्रगति	लक्ष्य
मिलीगुड़ी बीजी डीजल शोर्ट	95 %	दिसम्बर, 06
न्यू जलपाईगुड़ी टुव्स ट्रेन नियोजन सुविधा	95 %	दिसम्बर, 06
न्यू बंगालगंज गूडम सिंक लाइट व नियोजन सुविधा	70 %	मार्च, 07
न्यू गुवाहाटी सिंक लाइट का विस्तार	80 %	मार्च, 07



नव निर्मित मिलीगुड़ी बीजी डीजल शोर्ट

संस्करण: 2006-07-01, पृष्ठ संख्या: 1, 2, 3, 4, 5, 6, 7, 8, 9, 10, 11, 12, 13, 14, 15, 16, 17, 18, 19, 20, 21, 22, 23, 24, 25, 26, 27, 28, 29, 30, 31, 32, 33, 34, 35, 36, 37, 38, 39, 40, 41, 42, 43, 44, 45, 46, 47, 48, 49, 50, 51, 52, 53, 54, 55, 56, 57, 58, 59, 60, 61, 62, 63, 64, 65, 66, 67, 68, 69, 70, 71, 72, 73, 74, 75, 76, 77, 78, 79, 80, 81, 82, 83, 84, 85, 86, 87, 88, 89, 90, 91, 92, 93, 94, 95, 96, 97, 98, 99, 100



कामाख्या स्टेशन पर महाप्रबंधक द्वारा सिगनल एवं दूरसंचार नवीकरण कार्य का निरीक्षण।

सिगनल एवं दूरसंचार निर्माण कार्य

	प्रगति	लक्ष्य
कानाखटा स्टेशन पर आर.आर.आई.	जुलाई, 06 में चालू कर दिया गया।	
शामद्वार-सिलचर आखा में 8 स्टेशनों पर पैन्ल इंटरलॉकिंग कार्य	5 स्टेशन अब तक चालू कर दिया गया।	मार्च, 07
रिंगिया मंडल में 4 स्टेशनों पर इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग	20 %	मार्च, 07
तिनसुकिया मंडल पर 4 स्टेशनों का पैन्ल व इंटरलॉकिंग अपग्रेडेशन	1 स्टेशन	फरवरी, 07
एस.एफ.एस.आर. के अन्तर्गत ट्रेक सर्किटिंग और पुनः स्थापन	6 स्टेशन	मार्च, 07
अलीपुरद्वार-मिलीगुड़ी के मध्य ऑप्टिक फाइबर व क्वाड केबिल	अगस्त, 06 को चालू कर दिया गया।	
रिंगिया-सापाड़ा के मध्य क्वाड केबिल	80 %	मार्च, 07

यातायात सुविधा

	प्रगति	लक्ष्य
मानगांव (अरुण) क्रॉसिंग स्टेशन	जून, 2006 को चालू कर दिया गया।	
कामाख्या स्टेशन के लाइन संख्या 4, 5 एवं 6	जुलाई, 2006 को चालू कर दिया गया।	
अजली-बरभतल क्रॉसिंग स्टेशन	90%	दिसम्बर, 06